

धोरण : 9

हिन्दी

२१. क्रान्तिकारी शेखर

का बचपन

स्वाध्याय

प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

- (1) शेखर ने बाहर घूमने-मिलने जाना क्यों छोड़ दिया?**
- शेखर ने बाहर घूमने-मिलने जाना छोड़ दिया, क्योंकि पहनने के लिए देशी कपड़े उसके पास पर्याप्त नहीं थे।
- (2) शेखर के मस्तिष्क में कैसी पुकार पहुँचती थी?**
- शेखर के मस्तिष्क में एक नाटक का लेखक होने की पुकार पहुँचती थी।

(3) शेखरने आग कैसे जलाई?

► शेखर ने घर के दीयों से मिट्टी का तेल लेकर उससे आग जलाई।

(4) शेखर गला खोलकर क्या गाने लगा?

► शेखर गला खोलकर गाने लगा, "गांधीजी का बोलबाला। दुश्मन का मुँह हो काला।"

(5) अंग्रेजी बालक ने जवाब में क्या कहा?

► अंग्रेजी बालक ने शेखर को चुप देखकर अपना नाम बताया और पूछा- क्या तुम स्कूल में पढ़ते हो?

प्रश्न 2. दो-तीन वाक्य में उत्तर दीजिए :

- (1) घर के सदस्य बाहर गए तब शेखर ने क्या किया?
- घर के सदस्य बाहर गए, तब शेखर ने घर के सभी कमरों में से विदेशी कपड़े लेकर नीचे एक खुली जगह में इकट्ठे किए। उनके ढेर पर मिट्टी का तेल डाला और आग लगा दी।

(2) शेखर के नाटक का विषय क्या था?

- शेखर के मन में एक स्वाधीन लोकतंत्र भारत की छवि बसी थी जिसके राष्ट्रपति महात्मा गांधी थे। उसमें कताई, बुनाई जैसी गांधीजी की प्रवृत्तियाँ और असहयोग आंदोलन का समावेश था।
- शेखर का यह स्वप्न ही उसके नाटक की हलचल में भी समाविष्ट था।

(3) अंग्रेजी बालक के प्रश्न का उत्तर शेखर ने क्यों नहीं दिया?

- अंग्रेजी बालक के स्वर में अहंकार था। वह अपने अंग्रेजी-ज्ञान का परिचय देना चाहता था। शेखर को उसका प्रश्न बुरा और अपमानजनक भी लगा। इसलिए उसने अंग्रेजी बालक के प्रश्न का उत्तर नहीं दिया।

(4) पिता ने कृष्ण स्वर में शेखर को क्या कहा?

➤ शेखर ने अंग्रेजी बालक के किसी भी प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। पिता नहीं चाहते थे कि वह बालक शेखर को अंग्रेजी से अनभिज्ञ समझे। इसलिए उन्होंने कृष्ण स्वर में शेखर से कहा, "उत्तर क्यों नहीं दिया? क्या तुम्हारा मुँह टूट गया है?"

(5) शेखर उत्तर न देने में कैसे बच गया?

➤ शेखर अंग्रेजी बालक के प्रश्नों के उत्तर में एकदम चुप रहा था। पिता इस बारे में शेखर से उसके चुप रहने का कारण जानना चाहते थे। किंतु तभी ट्रेन आ गई और शेखर उत्तर देने से बच गया।

(6) घर आकर पिता ने माँ से क्या कहा? क्यों?

➤ बाँकीपुर स्टेशन पर शेखर ने बालक के अंग्रेजी प्रश्नों के उत्तर न देकर चुप्पी-सी साथ ली थी। इससे पिता को क्रोध के साथ दुःख भी हुआ था। घर आकर उन्होंने शेखर की माँ से कहा, हमारे लड़के बुद्ध हैं। किसीके सामने उनका मुँह ही नहीं खुलता।

प्रश्न 3. सविस्तार उत्तर लिखिए :

(1) शेखर के मन में विदेशी मात्र के प्रति घृणा क्यों हो गई थी?

➤ महात्मा गांधी ने देश में असहयोग आंदोलन शुरू किया था। चारों तरफ स्वदेशी की हवा बहने लगी थी। शेखर के मन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा था। वह गांधीजी के प्रति अपार श्रद्धा रखता था। गांधीजी स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग का आग्रह करते थे। विदेशी वस्तुएँ देश की पराधीनता की प्रतीक बन गई थीं। इसलिए शेखर के मन में भी विदेशी मात्र के प्रति घृणा हो गई थी।

(2) शेखर के घर में अंग्रेजी भाषा के प्रति गहरा प्रभाव था-ऐसा हम कैसे कह सकते हैं?

► शेखर के पिता और माई घर में अंग्रेजी में बात करते थे। पिता शेखर को भी भाइयों के साथ अंग्रेजी में बात करने के लिए प्रोत्साहित करते थे। शेखर भी शैशव से अंग्रेजी बोलता था। शेखर की पहली आया ईसाई थी और अंग्रेजी बोलती थी। उसका पहला गुरु भी एक अमरिकन मिशनरी था, जो दिनभर अंग्रेजी बोलता था। शेखर को ऐसा लगता था जैसे अंग्रेजी ही उसके परिवार की मातृभाषा हो। परिवार में अंग्रेजी का ऐसा चलन देखकर हम कह सकते हैं कि शेखर के घर में अंग्रेजी भाषा का गहरा प्रभाव था।

(3) शेखर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

शेखर एक कोमल मन का किशोर है। गांधीजी के असहयोग आंदोलन का उस पर गहरा प्रभाव पड़ा है। स्वदेशी की हवा से प्रेरित होकर उसे विदेशी मात्र से घृणा हो जाती है। वह अपने घर के विदेशी वस्त्रों को खुशी-खुशी जला देता है। वह अंग्रेजी माध्यम का विद्यार्थी है, पर अंग्रेजी को विदेशी भाषा मानकर उससे नफरत करता है और हिन्दी पढ़ने में रुचि लेता है। वह अंग्रेजी बालक के अंग्रेजी में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर नहीं देता। पिता द्वारा बुझ कहलाना स्वीकार करता है, पर अंग्रेजी बोलना उसे स्वीकार नहीं। इस प्रकार शेखर गांधी युग का एक प्रिय बाल पात्र है।

(4) शेखर ने नाटक लिखना कब आरंभ किया? क्यों?

- शेखर असहयोग और स्वदेशी आंदोलनों से अत्यंत प्रभावित भी उसे विदेशी मात्र से घृणा हो गई थी। अंग्रेजी भाषा से भी वह बेहद करने लगा था। परिवार के नियंत्रण के कारण वह सक्रिय रूप से किसी आंदोलन में भाग नहीं ले सकता था। ऐसी स्थिति में उसने नाटक लिखना आरंभ किया।
- शेखर को गांधीजी के प्रति अपनी अपार शक्ति व्यक्त करनी थी। साथ ही उसे अपने हिन्दी-ज्ञान को भी प्रभावित करना था। इसलिए अपनी भावनाओं को प्रकट करने के लिए शेखर ने नाटक लिखना आरंभ किया।

प्रश्न 4. विलोम शब्द लिखिए :

- (1) सहयोग ✗ असहयोग
- (2) विदेशी ✗ स्वदेशी
- (3) बाहर ✗ भीतर
- (4) दुश्मन ✗ दोस्त
- (5) अंकुश ✗ निरंकुशता

प्रश्न 5. समानार्थी शब्द लिखिए :

- (1) अनुमति** - आज्ञा
- (2) कष्ट** - तकलीफ
- (3) निरंतर** - लगातार
- (4) आजाद** - स्वतंत्र

प्रश्न 6. मुहावरे का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(1) मुँह काला होना – बदनाम होना

वाक्य : बुरे कर्म करोगे तो मुँह काला होगा ही ।

THANKS



FOR WATCHING